Life is theirs too

Life belongs to me, and to them as well!
I stay in a high storied building, they in slums.
I have a present address,
And a permanent address as well.
They have a peaceful shelter with a seal of forceful occupation-
The edge of Dumdum rail line,
Or beside the Bagjola canal:
Life belongs to me, and to them as well!
I eat bread-cutlet,
A bit of salad and fruit juice,
Life has given them only pain.
They are soaked with sweat, working here and there-
Life belongs to me, and to them as well!
I write poems,
They make paper bags tearing the pages of poems.
I scribble on the pages in search of peace,
They tear the pages with utmost happiness,
And make paper bags, sell them.
They eat onions and soaked rice by selling them.
Life belongs to me, and to them as well!
In fear of life, nowadays,
I hide my face from the life-
They, in search of life
Are always leaning towards life.
Life belongs to me, and to them as well!

জীবন ওদেরও

জীবন আমার জীবন ওদেরও।
আমি ফ্ল্যাটবাড়িতে থাকি ওরা বস্তিতে,
আমার প্রেসেন্ট অ্যাড্রেস আছে
আছে পার্মানেন্ট অ্যাড্রেসও,
ওদের জবরদখল সীল মারা নিশ্চিন্ত আশ্রয়
দমদম রেললাইনের ধার
নয়তো বাগজোলা খাল পার,
জীবন আমার জীবন ওদেরও!
আমি ব্রেড কাটলেট খাই
একটু স্যালাড আর ফ্রুট জুস,
ওদের জীবন দিয়েছে শুধু যন্ত্রণা
ওরা মাঠে ময়দানে গলদঘর্ম,
জীবন আমার জীবন ওদেরও!
আমি কবিতা লিখি
ওরা কবিতার পাতা ছিঁড়ে ঠোঙা বানায়,
আমি শান্তির খোঁজে পাতায় পাতায়
হিজিবিজি কাটি,
ওরা পাতাগুলো ছিঁড়েছুঁড়ে মহা আনন্দে
ঠোঙা বানায়, ঠোঙা বেচে
ওরা ঠোঙা বেচে পেঁয়াজ, পান্তা খায়,
জীবন আমার জীবন ওদেরও!
জীবনের ভয়ে আজকাল
মুখ লুকিয়ে থাকি জীবন থেকে,
ওরা জীবনের খোঁজে
জীবনের দিকে ঝুঁকে থাকে আজীবন,
জীবন আমার জীবন ওদেরও!

जीवन उनका भी है,

जीवन हमारा है,जीवन उनका भी है।

मैं फ्लैट में रहता हूँ,वे बस्तियों में ।

मेरा प्रेजेंट एड्रेस है,परमानेंट एड्रेस भी है।

दखल की जमीन पे उनका शांतिपूर्ण जीवन।

या तो दमदम रेल लाइन के किनारे,

या तो बागजोला की नहरपट्टियों में,

जीवन हमारा है,जीवन उनका भी।

मैं ब्रेड कटलेट खाता हूँ,

थोड़ा सा सलाद और फ्रुइटजूस,

उनको जिंदगी ने सिर्फ पीड़ा ही दी है।

वे मैदान में काम करते करते पसीने से लथपथ,

जीवन हमारा,जीवन उनका भी।

मैं कविताएं लिखता हूँ,

वे कविता के पन्नो को फाड़कर

ठोंगे बनाते हैं।

मैं चैन की तलाश में ,

पन्नो पर लिखता रहता हूँ।

वे पन्नो को फाड़कर बेहद खुश होकर,

ठोंगे बनाते हैं , बेचते हैं।

ठोंगे बेचते हैं,ठोंगे बेचकर प्याज और बासी चावल खाते हैं।

जीवन हमारा है,जीवन उनका भी।

जीवन के डर से आजकल,

जीवन से ही मुँह छिपाना पड़ता है,

वे जीवन की तलाश में,
जीवन की ओर झुके रहते हैं आजीवन,
जीवन हमारा है,जीवन उनका भी।